om-11 INITIAL_Page 1 and 2 12-08-2014 11:59 Page 2

ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 15 अंक - 11 सितंबर-I, 2014 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹ 8.00

'भारत गौरव लाइफ टाइम अचीवमेंट' अवार्ड से सम्मानित दादी जानकी

लंदन। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी को पश्चिमी देशों में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना में योगदान के लिए लंदन के संसद हाऊस ऑफ कॉमन्स में भारत गौरव लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान ब्रिटेन की जलवायु परिवर्तन एवं ऊर्जा मंत्री बारानोस वर्मा, ब्रिटिश सांसद विरेन्द्र शर्मा, ब्रिटेन में भारत के उप-उच्चायुक्त विरेन्द्र पाल एवं संस्कृति युवा-संस्थान के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा द्वारा दिया गया। स्वास्थ्य कारणों से दादी जानकी नहीं आ सकीं, उनका प्रतिनिधित्व ब्रह्माकुमारी संस्थान के यूरोपीय सेवाकेन्द्रों की मुखिया ब्र.कु. जयन्ती ने किया।

इस अवसर पर भारत के नामचीन लोगों के साथ भारत मूल के केन्याई उद्योगपति, एडिडास स्पोर्ट्स के चेयरमैन तथा आगा खां विकास बोर्ड के मैनेजिंग डायरेक्टर निज़ार जुमा को भारत में ब्रह्माकुमारीज़ के साथ फ्यूचर ऑफ पावर के जरिए भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करने में योगदान के लिए भारत गौरव लाइफ टाइम अवीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत सहित पूरे विश्व के कई देशों में आध्यात्मिकता एवं भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया।

लंदन। दादी जानकी जी को दिए गए 'भारत गौरव लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड को प्राप्त करते हुए यूरोप की निदेशिका ब्र.कु. जयन्ती।

समर्पित राजयोग शिक्षिकाओं का सम्मान समारोह

डायमण्ड हॉल में संस्था से 15 से 20 वर्षों से ईश्वरीय सेवाओ में जुड़ी भारत तथा नेपाल की ढ़ाई हज़ार ब्रह्माकुमारी बहनों का सम्मान।

शांतिवन। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के डायमण्ड हॉल में संस्था से 15 से 20 वर्षों से ईश्वरीय सेवाओ में जुड़ी बहनों का सम्मान किया गया। शांतिवन के डायमण्ड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में देश के कई हिस्सों से आए कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों को सराबोर कर दिया। ओडिशा के कलाकारों ने नारी की शक्ति के अवतार व शक्ति स्वरूपा की प्रस्तुतियां दी। लोगों को अहसास कराया कि यदि नारी मूल्यों को जीवन में अपनाए तो उसके जीवन में शांति और शक्ति का संचार हो सकता है। कलाकारों ने भारत का रहने वाला हूं..., सत्यम शिवम सुन्दरम... आदि गीतों पर वाहवाही लूटी। नृत्य नाटिका के माध्यम से नारी शक्ति के सभी अवतारों की चित्ताकर्षक प्रस्तुतियां दी। इस दौरान संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हमारा जीवन सिर्फ हमारे लिए नहीं है। बल्कि, मानव जीवन को सच्ची राह दिखाने के लिए है। वर्तमान में पश्चिमी संस्कृति की आंधी चारो ओर बह रही है। परमात्मा के नियमों पर चलने से ही बादलाव आएगा। संस्था के महासाचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि त्याग व तपस्या से आपने भगवान को भी प्राप्त कर लिया है। यह आपके केवल इस जन्म की ही नहीं बल्कि अनेक जन्मों की तपस्या का फल है। उसने ही आपको इतना महान बनाया है।

वे संस्था से जुड़ी वे बहने हैं, जो पवित्रता, आनंद और शांति के रास्ते पर चलते हुए मानवता की सेवा कर रही हैं। पूरे देश भर में युवा बहनें सभी वर्गों में मूल्यनिष्ठता के लिए प्रयासरत हैं। युवा बहनों को सजाया गया। उन्हें ताज पहनाकर व स्वर्णिम चुन्नी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. मोहिनी, कार्यक्रम संयोजिका ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. सुषमा, ब्र.कु. चक्रधारी समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

शांतिवन। सम्मान समारोह का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ करते हुए दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. मोहिनी, ब्र.कु. संतोष, ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. शारदा तथा सम्मानित बहनें।